मंदिर का इतिहास

श्री गुमटी वाले माता जी का मंदिर, गाँव गुमटी, (शाहबाद मारकंडा) जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा की स्थापना सन् 1950 में श्री श्री 1008 माता प्रकाश देवी जी ने की थी।

श्री माता प्रकाश देवी जी को गुमटी वाली माता जी व बड़े माता जी के नाम से जाना जाता था। इस पंथ की शुरुआत सन् 1925 में शेखपुरा (वर्तमान पाकिस्तान) में श्री माता सुहागवंती देवी जी ने की थी। माता सुहागवंती देवी जी सन् 1947 में विभाजन के समय ब्रह्मलीन हो गई।

देखते ही देखते समय बीतने लगा और 18 जनवरी सन् 1964 की पावन बेला पर श्री श्री गुमटी वाले माता जी (श्री देवा जी) का जन्म हुआ। बड़े माँ जी की तरह ही माता ऊषा देवी जी (माँ जी) दैवीय शक्तियों से ओतप्रोत थीं। बाल्यावस्था से ही किए गए अनेक चमत्कारों के कारण माताजी की ख्याति होने लगी जिसे देखते हुए सन् 1967 में बड़े माँ जी ने शत् चंडी यज्ञ का आयोजन कर माँ जी को अपनी उत्तराधिकारी घोषित किया। माँ जगदम्बा के साक्षात् दर्शन की उत्कृष्ट अभिलाषा मन में लिये सन् 1973 ई. में अपने घर का परित्याग करके वे बड़े माता जी के सानिध्य में गुमटी मन्दिर आ गये। अब बड़े माता जी उनके गुरु, माता व शिक्षक थे।

सन् 2016 में माँ भगवती की कृपा से श्री श्री जागृति देवी जी का अवतरण हुआ। दैवीय प्रेरणा से माँ जी ने श्री श्री जागृति देवी जी (जागो जी) को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।

श्री भगवान कृष्ण की तरह जागृति देवी जी बाल क्रीड़ा करते हुए अपनी बाल लीलाओं से भक्तों एवं श्रद्धालुओं को असीम आनन्द से आच्छादित कर रही हैं।

शारदा पीठ का इतिहास

आधुनिक काल में समयानुसार समाज में सनातन धर्म को विस्तार रूप देने का महान कार्य विशाखा श्री शारदा पीठ द्वारा किया गया। अद्वैतवाद (अद्वैत) का कालातीत, हमेशा प्रासंगिक और अग्रणी दर्शन कराते हुए, संपूर्ण विश्व को दिशा निर्देश करने वाले, भारतीय धर्म को गंगा स्त्रोत वाहिनी की तरह प्रवाहित करने वाले जगतगुरु आदि शंकराचार्य की साधना का अनुसरण विशाखा श्री शारदा पीठ के मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक है।

इनका मुख्य लक्ष्य भारतीय तत्वों को चहुँ दिशाओं में प्रसारित करना है आसेतु हिमालय से कन्याकुमारी तक आदि शंकराचार्य की भाँति विशाखा श्री शारदा पीठ के श्री श्री श्री स्वरूपानन्देन्द्र सरस्वती महास्वामी जी वे भी देशाटन किया। साथ ही हिंदू धर्म का वैश्वीकरण करने और हिंदू जीवन विधान – हिंदू शंकरम, सनातन धर्म जागृति, और वेद वाङ्मय में निहित हिंदू जाति की निष्क्रिय भावना को जगाने के लिए सही तरीके से प्रयास करना जारी रखा है।

जय माता दी

जय माता दी

श्री लक्षचंडी महायज्ञ

मंगलवार 07 फरवरी से रविवार 26 फरवरी 2023

श्री श्री ब्रह्मलीन 1008 माता प्रकाश देवी जी
(श्री श्री गुमटी वाले बड़े माता जी)

श्री श्री गुमटी वाले माता जी
(श्री देवा जी)

जागृति जी (जागो जी)
उत्तराधिकारी

पीठाधीश्वर
श्री जगद्गुरु शंकराचार्य प्रथा विशाखा श्री शारदा पीठ
श्री श्री श्री स्वरूपानन्देन्द्र सरस्वती महास्वामी जी

उत्तराधिकारी
विशाखा श्री शारदा पीठ
श्री स्वात्मानन्देन्द्र सरस्वती स्वामी जी

यज्ञ परिचय

श्री श्री लक्ष चंडी महायज्ञ

भारत वर्ष के ब्रह्मरंध्र कहे जाने वाले धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर स्थित, श्री गुमटी मन्दिर, शाहबाद मारकंडा में पधारे 2100 संध्यावन्दन निष्ठ ब्राह्मणों द्वारा, 110 दिव्य कुण्डों में लक्ष चंडी यज्ञ होना है।

श्री श्री 1008 गुमटी वाले माता जी के संकल्प अनुसार माघ कृष्ण द्वितीया मंगलवार विक्रम संवत् 2079 से फाल्गुन शुक्ल अष्टमी रविवार विक्रम संवत् 2079, (7 फरवरी से 26 फरवरी सन् 2023 ई) से एक लाख सप्तशती होम व परायण श्री श्री माँ भगवती को समर्पित होना है। संकल्पानुसार यज्ञ का नाम है- "श्री षोडषदिन प्रयुक्त, अष्टोत्तरशत कुण्डात्मक अप्रविहत रुद्र सहित लक्ष चंडी महायज्ञम्"

श्री श्री लक्ष चंडी महायज्ञ क्यों ?

यतोवै श्रेष्ठतम्य कर्म :

यजुर्वेद प्रथम अध्याय अनुसार यज्ञ ही श्रेष्ठतम् कर्म है। यज्ञ शब्द निष्पन्न होता है। यज्ञ से धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति होती है। इसी भगवदवाच को ध्यान में रखते हुए माँ भगवती की असीम कृपा से श्री गुमटी मंदिर में विगत 72 वर्षों से अनेक यज्ञों का आयोजन हो रहा है। माँ भगवती की प्रेरणा अनुसार माँ जी (श्री गुमटी वाले माता जी) ने श्री लक्ष चंडी यज्ञ (होमात्मक) का संकल्प लिया। प्राय परायण की संख्या का दशांश होम करने का प्रावधान है परन्तु महामाया की प्रेरणा अनुसार पूर्ण एक लक्ष सप्तशती परायण व होम का संकल्प लिया।

यज्ञ भूमि - " श्री गुमटी मंदिर"

श्री गुमटी वाले माता जी के मंदिर व 60 एकड़ के प्रांगण में श्री श्री गुमटी वाले माता जी की प्रेरणा से 108 दिव्य कुंड, 1 महारुद्री कुण्ड व 1 कुण्ड आमजन मानस हेतु सहित कुल 110 हवनकुंडों में आठ कोटि आहूतियों द्वारा 2100 ब्राह्मण, श्री जगद्गुरु शंकराचार्य प्रथा विशाखा श्री शारदा पीठ, श्री श्री श्री स्वरूपानन्देन्द्र सरस्वती महास्वामी जी की अध्यक्षता में व उत्तराधिपति श्री स्वात्मानन्देन्द्र सरस्वती स्वामी जी के सान्निध्य में एक लक्ष श्री दुर्गा सप्तशती होम का प्रावधान करेंगे।